2nd Language Hindi

Class - vii

Chapter - 2 गंवई राम

सारांश

गंवई राम एक ग्रामीण व्यक्ति है जिसने कभी शहर की चकाचौंध को नहीं देखी थी। प्रस्तुत कहानी में लेखक ने ग्रामीण व्यक्ति के व्यक्तित्व को उजागर किया है ।किस तरह से वह शहर पहुंचकर कई मुसीबतों से अनजाने में घिर जाता है। लेखक ने इसे व्यंग्य के माध्यम से बताया है।गंवई राम लंबा चौड़ा, बड़ी-बड़ी काली घनी लच्छेदार मूछें ,सफेद सूती लंबा धोती कुर्ता, पांव में लंबी नोक वाली चमड़े की जूतियां और हाथ में तेल पिलाई हुई लाठी यह थी गंवई राम की वेशभूषा । गंवई राम के पास थोड़ी सी खेती थी उसी से किसी तरह परिवार का गुजारा हो जाता था ।इधर कुछ समय से गांव में महंगाई बढ़ रही थी बड़ी मुश्किल से गंवई राम के परिवार का गुजारा चलता था ।गांव के कुछ लोगों की सलाह पर उसने शहर जाकर धन कमाने का निश्चय किया। गंवई नाम के शहर जाने की तैयारियां शुरू हो गई ।पंडित जी ने शुभ मुहूर्त निकाला और गंवई राम ने गठरी में अपना एक जोड़ी धोती कुर्ता बांधा और स्टेशन पहुंच गया। स्टेशन पहुंचकर गंवई राम ने शहर जाने का टिकट लिया थोड़ी ही देर में गाड़ी स्टेशन पर आ गई ।पहली बार रेल गाड़ी देख कर उसे बड़ा आश्चर्य हुआ और वह जल्दी से दाखिल हो गया ।डिब्बे के अंदर गंवई राम सबके कौतूहल का विषय बना हुआ था । उसकी वेशभूषा देखकर सब उसे घूर - घूर कर देख रहे थे।शहर पहुंच कर जब गंवई राम ने वहां की चकाचौंध देखी तो उसकी आंखें चौंधिया गई ।उसे सड़क पार करने में भी डर लग रहा था ।किसी तरह उसने सड़क पार की और अभी ठीक से संभल भी नहीं पाया था कि एक व्यक्ति से टकरा गया गंवई राम की लाठी उस व्यक्ति के सिर पर लगी और वहां सिर पकड़ कर बुरी तरह कराह रहा था। इतने में कुछ लोग तेजी से दौड़ते हुए आए और चोट खाए व्यक्ति को मारने लगे उन लोगों ने गंवई राम को धन्यवाद दिया तथा उस व्यक्ति को घसीट कर अपने साथ ले गए। यह सब देख कर गंवई राम हक्का -बक्का हो गया ।मन ही मन सोचने लगा अजीब शहर है एक तो मेरी लाठी से घायल हुआ और उल्टा मुझे ही धन्यवाद दे रहे हैं । गंवई राम के पेट में चूहे कूद ने लगे थे उसने जो खाना घर से लाया था वह रेल में ही खा लिया था । उसे सामने एक अच्छा होटल नजर आया।वह जल्दी से होटल में पहुंच गया और इशारे से वेटर को दाल सब्जी और रोटी लाने को कहा।

गंवई राम आधे घंटे से खाने में जुटा हुआ था उसने बीस रोटियां ,आधा किलो सब्जी और चार प्लेट दाल खा चुका था रुकने का नाम नहीं ले रहा था। काफी देर बाद गंवई राम ने लंबी डकार ली और ऊपर की तरफ देखा तो सभी लोग उसकी तरफ देख रहे थे । वेटर पूरे सौ रुपए का बिल लेकर आया जैसे ही उसने होटल का बिल चुकाने के लिए जेब में हाथ डाला तो सन्न रह गया क्योंकि उसके जेब में पैसे नहीं थे और जेब कटी हुई थी ।होटल के मालिक ने देखा की गंवई राम के पास पैसे नहीं है उसे खूब डांटा फटकारा और उसे होटल के गेट पर पहरेदारी के लिए खड़ा कर दिया।

रात को जब होटल बंद हुआ तो गंवई राम थक कर चूर हो गया था ।वह अपने गांव के पंडित को कोसने लगा सोचने लगा की किस मनहूस घड़ी में आने का मुहूर्त निकाला कि जो ऐसी मुसीबत में आ फंसा। रात को बचा हुआ रुखा सुखा खाकर गंवई राम होटल में सो गया जाते समय होटल के मैनेजर ने उसे दूध आदि सामान का बिल्ली से ध्यान रखने को कहा। रात को होटल में जब बर्तनों की खड़खड़ाहट सुनाई दी तो गंवई

राम हड़ बड़ाते हुए उठा देखा बिल्ली भगोने से दूध पी रही है बिल्ली को भगाकर वापस चारपाई पर आकर लेट गया । थोड़ी देर बाद बिल्ली फिर आ गई गंवई राम ने बिल्ली को फिर भगाया तीसरी बार खड़खड़ाहट की आवाज सुन उस को गुस्सा आ गया और उसने अपनी लाठी फेंक कर मारी और धम्म से चारपाई पर सो गया।

सुबह जब मैनेजर ने आकर होटल का शटर खोला तो देखा गवंई राम सो रहा है और अंदर आने पर उसने देखा कि एक हट्टा-कट्टा आदमी फर्श पर बेहोश पड़ा था और जैसे ही वह गंवई राम को जगाने के लिए गया तो चौंक पड़ा गंवई राम के चारपाई के नीचे भी एक आदमी बेहोश दबा पड़ा था ।दोनों बेहोश आदमी चोर थे जो चोरी करने के लिए होटल में आए थे । गंवई राम ने बिल्ली समझकर जिसे लाठी मारी थी वह एक चोर के सिर पर लगी और वह वहीं पर ढेर हो गया दूसरा चोर जो गंवई राम के चारपाई के नीचे छिपा था वह भी गंवई राम के धम्म से चारपाई पर गिरने के कारण बेहोश हो गया था। मैनेजर ने पुलिस को फोन किया और सब ने गंवई राम की बहुत तारीफ़ की और उसे शाबाशी दिया।होटल के मालिक ने गंवई राम को इनाम दिया अपने होटल में ही काम पर रख लिया।

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए -

1. गंवई राम के परिवार का गुजारा कैसे चलता था ?

2. शहर पहुंचकर गंवई राम दंग क्यों रह गया?

3. होटल में सब लोग गंवई राम को क्यों देख रहे थे?

4. जब होटल बंद हुआ तो गंवई राम क्या सोचने लगा?

5. चोर बेहोश कैसे हो गए?

प्र.2 नीचे दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए -

1. कौतूहल

2. सरपट

3. दंग रहना

4. अचरज

5. थककर चूर होना

प्र.3 निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1 . गंवई राम के शहर जाने की तैयारियां शुरू हो गई। पंडित जी ने शुभ मुहूर्त निकाला और गंवई राम ने गठरी में अपना एक जोड़ी धोती कुर्ता बांधा। पत्नी ने रास्ते के लिए पूरी - सब्जी बांध दी।और अपना ध्यान रखने की हिदायत दी। गांव के कई लोग गंवई राम को स्टेशन छोड़ने के लिए साथ चल दिए।

1. गंवई राम की वेशभूषा का वर्णन कीजिए?

2.गंवई राम ने शहर जाने का निश्चय क्यों किया?

3.गंवई राम ने शहर जाने के लिए क्या-क्या तैयारी की थी?

4. वाक्य बनाओ - पगडंडी , पेट में चूहे कूदना

Home Work

प्र.4 विलोम शब्द लिखिए -

1. अनुराग

2 अनुकूल

3. आज्ञा

4. आयात

5 आदान

6. खंडन

7. कुटिल

8. आकर्षण

9. कृतज्ञ

10. खरा

प्र .5 नीचे दिए गए शब्दों के दो - दो पर्यायवाची शब्द लिखिए -

1. अश्व

2. अमृत

3. अतिथि

4. इच्छा

5. किनारा

6. कपड़ा

7. गाय

8. चतुर

9. जलद

10. गृह

प्र.6 निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक एक शब्द लिखिए -

1. जो कभी ना मरे -

2. जिसकी उपमा ना हो -

3. जिसका आदि ना हो -

4. जो काम कठिन हो -

5. जो कठिनाई से मिले -

6. जो मांस ना खाता हो -

7. जो पहले हो चुका हो -

8. जहां कोई ना रहता हो -

9. जो कानून के विरुद्ध हो -

10. जानने की इच्छा रखने वाला-